॥ राजस्थानी हिन्दी कहावत कोश ॥

॥ प्रथम जिल्द ॥

॥ अ से घ तक : कहावत संख्या ३२७२ ॥

॥ संपादक ॥

॥ विजयदान देथा : भागीरथ कानोड़िया ॥

॥ अमीर री ओगाळी गरीब रौ चारौ = अमीर की झूठन गरीब का भोजन ॥

॥ म्हाकरै देव नै सै कोई निवै = क्रूर देवता को सभी सीस नवाते हैं ॥

॥ आंधै री जोय रौ रांम रुखाळौ = अंधे की पत्नी का ईश्वर ही रक्षक है ॥

東京外国語大学図書館
0000632083

॥ ऊंदरी रा जाया … बच्चे तो बिल ही खोदेंगे ॥

॥ गाडी धांन री मूठी बांनगी = गाड़ी भर अनाज की मुट्ठी बानगी ॥

राजस्थानी हिन्दी
कहावत कोश

प्रथम जिल्द

संपादक

विजयदान देथा

भागीरथ कानोड़िया

रूपम प्रकाशन, बोरुन्दा

東京外国語大学
図書館蔵書
632083
平成 20 年度